दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 45 | पंचकूला। रविवार, 22 मार्च 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

सुविचार

सबसे श्रेष्ठ किस्म की सेवा ऐसे व्यक्ति की मदद करना है जो बदले में आपको धन्यवाद कहने में भी असमर्थ हो

हरियाणा पुलिस ने लॉन्च किया 'अभेद्य' मोबाइल एप, रंगदारी कॉल्स पर लगेगी लगाम

- **एक्सटॉर्शन कॉल्स पर सख्त प्रहार**
- **तकनीकी नवाचार से मजबूत हुई पुलिसिंग**
- **पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर प्राप्त करे मोबाइल ऐप का एक्सेस**

पंचकूला ऑब्जर्वर

संजीत कुमार सिंह, पंचकूला। हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध, धमकी भरे कॉल्स और रंगदारी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 'अभेद्य' मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। यह देश में अपनी तरह का पहला मोबाइल आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म है, जो नागरिकों को संदिग्ध कॉल्स, धमकी भरे संदेशों, स्टॉकिंग और डिजिटल उत्पीड़न से बचाने में सक्षम होगा। इस पहल के साथ ही हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहाँ पर इस प्रकार की अनूठी पहल की गई है।

इस संबंध में हरियाणा के पुलिस महानिदेशक (छतक्क) श्री अजय सिंघल ने आज पुलिस मुख्यालय, सेक्टर-6, पंचकूला में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए 'अभेद्य' ऐप के फीचर्स और कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी साझा की। इस दौरान उनके साथ अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर एवं पुलिस आयुक्त पंचकूला शिबास कबिराज तथा डीसीपी पंचकूला सृष्टि गुप्ता भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि बदलते समय में अपराधी इंटरनेट आधारित कॉलिंग, फर्जी नंबरों और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर लोगों को डराने और ठगी करने का प्रयास कर रहे हैं, ऐसे में यह ऐप नागरिकों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा। श्री सिंघल ने कहा कि पदभार ग्रहण करते ही उन्होंने एक्सटॉर्शन कॉल्स पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए योजनाबद्ध रणनीति के तहत कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दिशा में हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त एवं स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए थे, जिनके अनुरूप पुलिस ने ठोस कदम उठाए। उन्होंने कहा कि इस मोबाइल ऐप के माध्यम से डॉक्टरों, ठेकेदारों, व्यापारियों सहित आम नागरिकों को व्यापक स्तर पर सुरक्षा और राहत मिलेगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जो व्यक्ति भय और आतंक का माहौल बनाने का प्रयास करता है, उसे आतंकवादी की श्रेणी में रखकर कठोर कार्रवाई की जाएगी। श्री सिंघल ने बताया कि देश के भीतर से आने वाली कॉल्स को ट्रेस करना अपेक्षाकृत सरल होता है, जबकि विदेशी नंबरों से आने वाली कॉल्स एक बड़ी तकनीकी चुनौती पेश करती हैं। इसी चुनौती से निपटने के लिए हरियाणा पुलिस के तकनीकी विशेषज्ञों ने दिन-रात मेहनत कर एक सशक्त समाधान विकसित किया, जिसके सफल परीक्षण के बाद आज इसे लॉन्च किया गया है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि यह पूरी तरह हरियाणा पुलिस की इन-हाउस पहल है, जो उनकी तकनीकी क्षमता और नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने जानकारी दी कि इस ऐप का ट्रायल 25 चयनित उपयोगकर्ताओं द्वारा किया गया, जिसमें इसकी कार्यक्षमता पूरी तरह सफल पाई गई। भविष्य में आवश्यकतानुसार इसमें और सुधार व अपडेट किए जाएंगे। इस ऐप को डाउनलोड करने के लिए इच्छुक व्यक्ति को संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक से संपर्क करना होगा, जिसके उपरांत उसे अधिकृत एक्सेस प्रदान किया जाएगा। यह ऐप एंड्रॉयड एवं एप्पल दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगा। श्री सिंघल ने यह भी बताया कि हरियाणा पुलिस की सक्रिय कार्यवाही के परिणामस्वरूप जनवरी एवं फरवरी 2026 में पिछले वर्ष की तुलना में एक्सटॉर्शन कॉल्स में लगभग 40 प्रतिशत की कमी तथा अपराध में 8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मोबाइल ऐप के शुरू होने से डिजिटल फ्रॉड, साइबर अपराध और एक्सटॉर्शन कॉल्स पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। 'अभेद्य' ऐप अज्ञात और संदिग्ध नंबरों से आने वाली कॉल्स और संदेशों की पहचान कर उन्हें उपयोगकर्ता तक पहुँचने से पहले ही रोक देता है। यह विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय, वर्चुअल और अनसेव्ड नंबरों की निगरानी करता है तथा संदिग्ध पाए जाने पर कॉल को स्वत: रिजेक्ट कर नंबर को ब्लॉक कर देता है। यह ऐप संदिग्ध चैट, वॉयस मैसेज, नोटिफिकेशन और वॉयस नोट को भी डिवाइस से हटा देता है, जिससे उपयोगकर्ता किसी भी प्रकार के मानसिक दबाव या भय से सुरक्षित रह सके। इतना ही नहीं, विदेशो से आने वाली संदिग्ध कॉल्स पर भी नजर जाएगी। इससे एक तरफ उपयोगकर्ता मानसिक दबाव से दूर रहेगा वही दूसरी तरफ संदिग्ध कॉल करने वाले व्यक्ति को हरियाणा पुलिस द्वारा बैकहैंड से ट्रेस किया जाएगा। प्रेस वार्ता में 'अभेद्य-2.0' के बारे में भी जानकारी दी गई, जो इस ऐप का अपडेटेड वर्जन है। इसके माध्यम से न केवल इंटरनेट आधारित फ्रॉड कॉल्स बल्कि सामान्य कॉल्स पर भी नियंत्रण संभव होगा। अज्ञात अंतरराष्ट्रीय कॉल्स, संदिग्ध घरेलू कॉल्स (यूजर विकल्प अनुसार), तथा प्राइवेट या हिडन नंबरों को ब्लॉक करने की सुविधा दी गई है, जबकि केवल सेव एवं सत्यापित नंबरों से कॉल की अनुमति होगी। यह ऐप नागरिकों को धमकी भरे कॉल्स, रंगदारी के प्रयासों और साइबर अपराध से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले गुमनाम संचार माध्यमों पर रोक लगेगी।

इ्यूल ओटीपी सिस्टम से बढ़ेगी सुरक्षा

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए हरियाणा पुलिस शीघ्र ही इ्यूल ओटीपी सिस्टम लागू करने जा रही है। इस पहल के तहत एचडीएफसी बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है और प्रारंभिक चरण में 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के खाताधारकों को इसमें शामिल किया जाएगा। इस व्यवस्था के अंतर्गत किसी भी वित्तीय लेन-देन के लिए आने वाला ओटीपी मूल खाताधारक के साथ-साथ उनके परिजन—जैसे बेटे, बेटी या अन्य विश्वसनीय सदस्य—के पास भी भेजा जाएगा। दोनों की पुष्टि के पश्चात ही ट्रांजेक्शन को स्वीकृति दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, खाताधारकों के बैंक लेन-देन की सीमा (ट्रांजेक्शन लिमिट) भी निर्धारित की जाएगी, जिससे किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की संभावना को न्यूनतम किया जा सके। श्री सिंघल ने कहा कि इस अभिनव व्यवस्था के लागू होने से डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर अपराधों पर प्रभावी रोक लगेगी। उन्होंने बताया कि इस संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक एवं विभिन्न बैंकों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत रूपरेखा तैयार की जा रही है।

एक नजर

बंगाल में तृणमूल-भाजपा कार्यकर्ताओं में पोस्टर-बैनर हटाने को लेकर संघर्ष, कई जख्मी

कोलकाता। कोलकाता से सटे बरानगर विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को पोस्टर-बैनर हटाने को लेकर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्ता भिड़ गए। इसमें दोनों पक्षों के कई कार्यकर्ता जख्मी हो गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और त्वरित प्रतिक्रिया बल (रैफ) को उतारना पड़ा। चुनाव ड्यूटी के लिए आए केंद्रीय बल के जवानों को भी मौके पर भेजा गया। घटना बरानगर के गोपालनगर ठाकुर रोड में घटी। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए हैं। इस दौरान स्थानीय तृणमूल विधायक, अभिनेत्री व पार्टी की प्रत्याशी सायंतिका बनर्जी के खिलाफ भाजपा समर्थकों ने गो बैक के नारे लगाए। बरानगर से भाजपा प्रत्याशी व कोलकाता नगर निगम में पार्षद सजल घोष का आरोप है कि गोपालनगर ठाकुर रोड स्थित भाजपा कार्यालय के पास जो पोस्टर-बैनर लगाए गए थे, उन्हें तृणमूल कार्यकर्ताओं ने हटाकर अपनी पार्टी का पोस्टर लगा दिया। इसी को लेकर दोपहर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आपत्ति जताए जाने पर दोनों पक्षों में तीखी बहस हुई, जो संघर्ष में बदल गया। सायंतिका ने भाजपा के आरोपों को खारिज करते हुए उसपर बाहर से गुंडों को लेकर इलाके में हिंसा का माहौल बनाने का आरोप लगाया। यह भी कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने तृणमूल की महिला कार्यकर्ताओं की साड़ियां खीचीं और दुर्व्यवहार किया।

केरलम में महिला डॉक्टर के हत्यारे को उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली। कोल्लम की अतिरिक्त जिला एवं सत्र अदालत ने महिला डाक्टर की हत्या के दोषी जी. संदीप को शनिवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। 2023 में तालुक अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात डॉ. वंदना दास की हत्या कर दी गई थी। अदालत ने दोषी को विभिन्न धाराओं के तहत कुल 30 साल कैद की सजा भी सुनाई और आदेश दिया कि दोषी को आजीवन कारावास शुरू होने से पहले 30 साल की कैद काटनी होगी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने दोषी को सुनाई गई उम्रकैद की सजा को अपर्याप्त और निराशाजनक करार दिया और केरलम सरकार से अधिकतम सजा सुनिश्चित करने के लिए अपील दायर करने का आग्रह किया। आइएमए ने प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. एमएन मेनन और सचिव डॉ. राय आर चंद्रन ने भी मांग की कि अस्पतालों को सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया जाए ताकि डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आइएमए ने कहा कि दोषी ने बिना किसी उकसावे के डाक्टर की बर्बरता से हत्या की, जब उसे पुलिस द्वारा चिकित्सा जांच के लिए अस्पताल लाया जा रहा था।

पंजाब स्टेट वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के अमृतसर डीएम रंधावा ने की आत्महत्या

अमृतसर. पंजाब स्टेट वेयरहाउस कॉर्पोरेशन के अमृतसर डीएम गगनदीप सिंह रंधावा ने आत्महत्या कर ली है। जानकारी के मुताबिक उन्होंने जहर निगलने से पहले एक वीडियो भी बनाया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसे लेकर शिअद के नेता विक्रम सिंह मजीठिया ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि डीएम ने वीडियो में मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर का नाम लिया है। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री मान ने बड़ा एक्शन लिया और मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर से इस मामले पर इस्तीफा ले लिया। वहीं मुख्यमंत्री ने चीफ सेक्रेटरी केएपी सिन्हा को भी इस मामले में कड़ी जांच के आदेश दे दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक सीएम मान ने कहा कि इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डीएम गगनदीप सिंह रंधावा अमृतसर और तरनतारन में अपनी सेवाएं दे रहे थे।

ईरान के नतांज परमाणु केंद्र पर इजरायल-अमेरिका का बड़ा हमला, गनीमत रही नहीं फैला रेडिएशन

पंचकूला ऑब्जर्वर

तेहरान. इस्लामिक रिपब्लिक के एटॉमिक एनर्जी ऑर्गनाइजेशन ने दावा किया है कि संयुक्त अमेरिका और इजरायल ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर फैसिलिटी पर शनिवार सुबह हमला किया। स्थानीय मीडिया एजेंसी ने संगठन के हवाले से इसकी जानकारी दी है। तसनीम न्यूज एजेंसी के एक बयान में संगठन ने कहा, यूनाइटेड स्टेट्स और इजरायली शासन ने नतांज एनरिचमेंट कॉम्प्लेक्स को शनिवार सुबह निशाना बनाया। इसमें यह भी कहा गया कि सेंट्रल ईरान के इलाके में रेडियोएक्टिव (खतरनाक परमाणु) रिसाव होने की कोई खबर नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक इससे पास रहने वाले लोगों को नुकसान नहीं है। यूएस-इजरायल सैन्य संघर्ष शुरू होने के बाद ही नतांज पर हमले की खबर आई थी। 3 मार्च को इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) ने पुष्टि की कि ईरान के नतांज न्यूक्लियर फैसिलिटी में प्रवेश द्वार के पास मौजूद इमारतों को थोड़ा नुकसान पहुंचा है। इजरायल की ओर से जारी सैटेलाइट तस्वीरों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच यह बयान आया है। पिछले दो दिनों की सैटेलाइट तस्वीरों में यूएस-इजरायली बमबारी अभियान के दौरान हुए नुकसान को साफ तौर पर दिखाया गया था। परमाणु कार्यक्रमों पर नजर रखने वाली अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने ईरान के नतांज न्यूक्लियर फैसिलिटी कॉम्प्लेक्स को हुए नुकसान की पुष्टि की थी।

एजेंसी ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए बताया, ताजा सैटेलाइट इमेजरी के आधार पर, आईएईए अब ईरान के अंडरग्राउंड नतांज फ्यूल एनरिचमेंट प्लांट (एफईपी) की एंट्रेंस बिल्डिंग्स (प्रवेश द्वार वाली इमारत) को हुए कुछ हालिया नुकसान की पुष्टि करती है; इससे कोई खतरा नहीं है और एफईपी पर कोई और असर नहीं देखा गया है, जिसे जून की लड़ाई में बहुत नुकसान हुआ था।

नतांज फैसिलिटी जून में इजरायल और ईरान के बीच पिछले 12-दिन के युद्ध में मुख्य टारगेट में से एक थी, जिसमें यूएस भी आखिरकार शामिल हो गया था। एजेंसी ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने दावा किया था कि यूएस-इजरायल के संयुक्त हमलों में ईरान के किसी परमाणु केंद्र को फिलहाल नुकसान पहुंचने के संकेत नहीं मिले हैं। इसके साथ ही, उन्होंने दुनिया से अत्यधिक संयम बरतने की अपील भी की थी। आईएईए प्रमुख ने स्पष्ट किया था कि बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट, तेहरान रिसर्च रिएक्टर और अन्य ईंधन केंद्रों पर किसी हमले या क्षति की सूचना नहीं मिली थी।

मथुरा में 'फरसा वाले बाबा' की मौत से मचा बवाल, भड़की भीड़ ने हाईवे किया जाम; पुलिस ने दागी रबर बुलेट्स

मथुरा. उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले से एक बेहद सनसनीखेज और तनावपूर्ण खबर सामने आई है। यहां इलाके में 'फरसा वाले बाबा' के नाम से मशहूर कथित गौ रक्षक चंद्रशेखर की एक सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई है। बाबा की मौत की खबर फैलते ही पूरे इलाके में भारी आक्रोश भड़क उठा और गुस्साए लोगों ने दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे को पूरी तरह से जाम कर दिया। हालात इतने बेकाबू हो गए कि उग्र भीड़ ने पुलिस-प्रशासन पर पथराव शुरू कर दिया, जिसके बाद पुलिस को स्थिति संभालने और भीड़ को खदेड़ने के लिए रबर की गोलियां तक चलानी पड़ीं। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना मथुरा के कोसीकलां थाना क्षेत्र के नवीपुर इलाके में बीती रात करीब 3 से 4 बजे के बीच हुई। क्षेत्र में यह अफवाह फैल गई थी कि फरसा वाले बाबा गौ-तस्करों का पीछा कर रहे थे और तस्करों ने उन्हें कुचल दिया है। लेकिन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने इस मामले का पूरा सच सामने रखा है। उन्होंने बताया कि रात में घना कोहरा छाया हुआ था।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मलेरकोटला के लिए बड़ी घोषणा

मलेरकोटला के मेडिकल कॉलेज होगा स्थापित, एमबीबीएस की 100 सीटें होंगी

पंचकूला ऑब्जर्वर

मलेरकोटला. मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज मलेरकोटला में लोगों के साथ ईद मनाई। यहां ईदगाह में ईद के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री ने 563 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के साथ-साथ अन्य अस्पतालों की परियोजनाओं की घोषणा की, जिसका उद्देश्य लोगों को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना है। इस दौरान उन्होंने सभी परिवारों से 10 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज का लाभ उठाने के लिए मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत नाम दर्ज कराने की अपील की, जिससे इस जनहितकारी योजना का उद्देश्य जनता की स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करना है। लोगों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, ईद-उल-फितर एक-दूसरे की भलाई की कामना करने का त्योहार है और मुझे मलेरकोटला की इस पवित्र ईदगाह में आकर बहुत सुकून और खुशी मिली है। यह ऐसा त्योहार है जो भाईचारे की भावना की सजीव तस्वीर पेश करता है, जहां हम एक साथ बैठते हैं और एक-दूसरे की खुशहाली की दुआ करते हैं। मैं प्रबंधक कमेटी और आसपास के गांवों से ईद मनाने आए सभी लोगों को दिल से शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने आगे कहा, मलेरकोटला एक ऐतिहासिक धरती है, जहां से दसवें पातशाह के छोटे साहिबजादों के हक में आवाज उठाई गई थी और वह आवाज आज भी पूरी दुनिया में गूंज रही है।

ईद के इस पावन अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि यहां एक मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा, लगभग 38.5 एकड़ रक्षा भूमि सरकार को हस्तांतरित की जा चुकी है और करीब 563 करोड़ रुपए की लागत से 100 एमबीबीएस सीटों वाला यह मेडिकल कॉलेज जल्द तैयार होगा। इसके साथ ही लगभग 8.5 एकड़ में 150 बेड का ईएसआई अस्पताल भी बनाया जा रहा है, क्योंकि इस समय खन्ना और लुधियाना के बीच ऐसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा, जहां भी मेडिकल कॉलेज बनाया जाता है, वहां नर्सिंग कॉलेज और 200 बेड का अस्पताल होना भी जरूरी है, इसलिए इन्हें भी साथ ही विकसित किया जाएगा। इसके अलावा लड़कियों के स्कूल के लिए पांच मंजिला नई इमारत तैयार की गई है और फर्नीचर उपलब्ध कराया जा रहा है। इस स्कूल का उद्घाटन अगले 15-20 दिनों में होने की संभावना है और हमारी बेटियां वहां शिक्षा प्राप्त करेंगी।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है ताकि बच्चे डॉक्टर बन सकें और जीवन में आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि लोग अपने दिलों में उन्हीं नेताओं को जगह देते हैं जो उनके लिए काम करते हैं। वर्ष 2022 में पंजाब के लोगों ने उन्हें सेवा का अवसर दिया और सरकार ने अब तक अपने वादों और गारंटियों को पूरा किया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा, मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत 10 लाख रुपए तक के नकद-रहित इलाज कार्ड के लिए अपना नाम दर्ज करवाएं। यह एक महत्वपूर्ण और जनहितकारी योजना है, जिसका उद्देश्य नकद-रहित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाना है, जिसमें सरकारी और निजी दोनों अस्पताल शामिल हैं। राज्य में रहने वाले सभी परिवारों के लिए 10 लाख रुपए तक का इलाज पूरी तरह मुफ्त होगा।

मैं प्रार्थना करता हूं कि पंजाब के किसी भी निवासी को कभी बीमारी की स्थिति का सामना न करना पड़े और सभी स्वस्थ रहें, लेकिन यदि ऐसा होता है तो राज्य सरकार उनके इलाज के लिए पूरी मजबूती से उनके साथ खड़ी है। मलेरकोटला के लोगों ने इतना अधिक प्यार दिया है कि उसका कर्ज कई जन्मों में भी नहीं उतारा जा सकता। इस प्यार की कीमत वही समझ सकता है जिसे यह मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब की धरती बहुत उपजाऊ है और यहाँ जो भी बीज बोया जाता है, वह उग आता है। महान गुरुओं, संतों, फकीरों और पैगंबरों की इस पवित्र धरती पर नफरत का बीज कभी नहीं पनपेगा।

उन्होंने आगे कहा, यह पवित्र महीना उस समय को दर्शाता है जब ईश्वरीय आदेश से पवित्र कुरान मानवता को प्रदान की गई थी। हम सभी मिलकर हर धर्म के त्योहारों और धार्मिक आयोजनों को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश में विभिन्न भाषाएं, उप-भाषाएं, और संस्कृतियां हैं, जो इसे अनेकता में एकता का एक अनूठा उदाहरण बनाती हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे महान आध्यात्मिक गुरुओं ने पूरे विश्व को शांति, सद्भाव, एकता, भाईचारे और मानवीय मूल्यों का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि इस पवित्र धरती से हम प्रतिदिन सरबत के भले की अरदास करते हैं और सभी की खुशहाली की कामना करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे गर्व है कि पंजाब एक ऐसा राज्य है जहां शांति, प्रेम और भाईचारे की जड़ें बहुत गहरी हैं और इन्हें कभी कमजोर नहीं किया जा

हिमाचल के बजट में बड़ा ऐलान

300 यूनिट मुफ्त बिजली और महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 1500 रुपए

पंचकूला ऑब्जर्वर

शिमला. राज्य के इतिहास में पहली बार हिमाचल प्रदेश ने अपने बजट में 3,586 करोड़ रुपए की कटौती की है। इसके तहत वित्त वर्ष 58,514 करोड़ रुपए से घटकर 2026-27 के लिए 54,928 करोड़ रुपए का बजट रह गया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने बजट भाषण में सरकार के निर्णय को उचित ठहराते हुए कहा कि बजट में कटौती का निर्णय पिछली भाजपा सरकार द्वारा छोड़े गए बढ़ते कर्ज के जाल से निपटने के लिए लिया गया है।

उन्होंने कहा कि लोकलुभावन उपायों का समय समाप्त हो गया है, क्योंकि अनुत्पादक व्यय में कटौती करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी इलाकों के लोग मजबूत और जुझारू होते हैं और वे वित्तीय संकट का बहादुरी से सामना करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि 1952 के बाद यह पहली बार है कि केंद्र द्वारा राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) के बिना बजट पेश किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे गरीब लोगों की पहचान करके उनके उत्थान का कार्य किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, राज्य की बीपीएल लिस्ट में विशेष रूप से सबसे गरीब परिवारों के नाम शामिल किए जाएंगे। वर्तमान में राज्य में 26.5 लाख बीपीएल परिवार हैं, और अब सरकार उनके उत्थान के लिए सबसे गरीब लोगों की पहचान कर रही है। मुख्यमंत्री अपना सुखी परिवार योजना के तहत एक लाख वंचित सबसे गरीब परिवारों की सहायता की जाएगी।

उन्होंने कहा, इन परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। इनमें से लगभग 27,000 परिवार जिनके पास पक्के मकान नहीं हैं, उन्हें मकान बनाने में मदद की जाएगी और गारंटी के तहत इन परिवारों की सभी महिलाओं को 1,500 रुपए दिए जाएंगे। जब मुख्यमंत्री ने कहा कि आरडीजी पर राज्य का समर्थन न करने वालों ने हिमाचल के हितों के साथ विश्वासघात किया है, तो विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में भाजपा विधायक सदन के वेल में पहुंच गए। 20 मिनट के हंगामे के बाद सीएम ने फिर से अपना भाषण शुरू किया। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपना चौथा बजट पेश करते हुए कहा, हिमाचल प्रदेश राज्य को दी जाने वाली आरडीजी (अनुसंधान, विकास और विकास) योजनाओं का अनुदान रोकना राज्य की जनता के साथ अन्याय है। मत्स्य पालन क्षेत्र में सीएम ने मुख्यमंत्री मछली सहायता योजना के तहत मछली खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 100 रुपए प्रति किलोग्राम घोषित किया।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश आस्था और धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। यहां श्रीनैना देवी, श्रीचिंतपूर्णी जी, श्रीबाबा बालक नाथ जी, श्रीज्वाला देवी जी और श्रीब्रजेश्वरी देवी जी जैसे विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ स्थित हैं।

व्यापक औद्योगिक निवेश ने पंजाब की कानून-व्यवस्था और शासन में हुए सुधारों पर मुहर लगाई : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

- गैंगस्टरों की सरपरस्ती करके पंजाब को बर्बाद करने वाली अकाली नेतृत्व अब पंजाब को बचाने का दिखावा नहीं कर सकती
- सबको पता है कि गैंगस्टरों को किसने टिकट दिए और इंचार्ज नियुक्त किया
- आप सरकार की 'कोई लिहाज न करने' की नीति ने ड्रग माफिया को किया तबाह, साल 2022 से 95,000 से अधिक तस्कर गिरफ्तार

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 'शानदार चार साल, भगवंत मान के साथ' श्रृंखला के तहत आप सरकार के अधीन कानून-व्यवस्था पर रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इसका उद्देश्य जनता के सामने चार वर्षों के शासन का स्पष्ट और क्षेत्रवार लेखा-जोखा प्रस्तुत करना है। न्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब की कानून-व्यवस्था में सुधार अब जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है, जो नशों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति, संगठित अपराध पर निरंतर कार्रवाई, पुलिस सुधारों और निवेशकों के बढ़ते भरोसे से संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार की 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत निर्णायक कार्रवाई की गई है, जिसमें 95,000 से अधिक तस्करों को गिरफ्तार किया गया, 772 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति जब्त की गई और 1100 से अधिक गिरोहों का भंडाफोड़ किया गया। इसके अलावा एंटी-ड्रोन सिस्टम जैसे उपायों ने सीमा पार तस्करी रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने आगे कहा कि रिकॉर्ड पुलिस भर्ती, आधुनिकीकरण और सड़क सुरक्षा फोर्स जैसे प्रयास पंजाब में कानून लागू करने की मजबूती को दर्शाते हैं। अकाली नेतृत्व पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने गैंगस्टरों को संरक्षण दिया और आपराधिक नेटवर्क को खुली छूट दी, वे अब इतिहास को मिटाकर दोबारा लिखने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे जवाबदेही से बच नहीं सकते। यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब सरकार ने नशों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस (कोई लिहाज न करने) की नीति अपनाई है और कानून का उल्लंघन करने वालों के प्रति कोई नरमी नहीं बरती गई है और न ही बरती जाएगी, बल्कि उन्हें मिसाल कायम करने वाली सजा दी जाएगी।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मार्च 2022 से अब तक 95,881 नशा तस्करों और सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है और एनडीपीएस एक्ट के तहत 71,228 एफआईआर दर्ज की गई हैं।

कार्रवाई संबंधी विवरण साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 10,085 बड़े तस्करों की गिरफ्तारी के साथ नशीले पदार्थों की 6,109 बड़ी/व्यावसायिक खेपें जब्त की गई हैं। नशीले पदार्थों के हॉटस्पॉट (अधिक प्रभावित क्षेत्रों) पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसके चलते 5625 किलोग्राम हेरोइन, 3461 किलोग्राम अफीम, 1628 क्विंटल भुक्की और 4.96 करोड़ इंजेक्शन, गोलियां, कैप्सूल और सिरप बरामद किए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा, 54.47 करोड़ रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई है और एनडीपीएस मामलों में 3440 भगोड़े अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा 1556 तस्करों से 772 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की गई हैं।

संगठित अपराध के खिलाफ कार्रवाई के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, गैंगस्टर विरोधी टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के गठन के बाद 2858 गैंगस्टरों और अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, 35 को निष्क्रिय किया गया और 1105 गैंगों का भंडाफोड़ किया गया है। अपराधों में इस्तेमाल किए गए 2267 हथियार और 655 वाहन भी बरामद किए गए हैं।

उन्होंने आगे कहा, एजीटीएफ ने 6 अप्रैल 2022 से मार्च 2026 तक पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में बड़े हत्या मामलों, जबरन वसूली रैकेट, बैंक डकैतियों, गैंगस्टरों की गिरफ्तारी और आतंकवादी साजिशों समेत 38 सनसनीखेज मामलों को सुलझाया है।

सीमा सुरक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, पंजाब की पाकिस्तान के साथ लगभग 560 किलोमीटर लंबी सीमा है और नशों तथा हथियारों की सप्लाई को रोकने के लिए राज्य सरकार ने एंटी-ड्रोन सिस्टम स्थापित किया है। पंजाब ऐसा सिस्टम स्थापित करने वाला पहला राज्य है।

उन्होंने आगे कहा, हमने केंद्र से फंड मांगे थे, लेकिन कोई सहायता प्राप्त नहीं हुई। राज्य सरकार ने अपने संसाधनों का उपयोग किया और अब इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। अब तक 806 ड्रोन बरामद किए गए हैं, 1472 ड्रोन गतिविधियों का पता लगाया गया है और ड्रोन के जरिए 341 अवैध हथियार बरामद किए गए हैं।

पुलिस सुधारों के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पिछली सरकारों के विपरीत, जो अंतिम वर्ष या चुनावी साल में भर्ती करती थीं, हमारी सरकार ने नियमित भर्ती सुनिश्चित की है।

पिछले चार वर्षों में 12,197 भर्तियां की गई हैं, जिनमें 1062 सब-इंस्पेक्टर, 450 हेड कांस्टेबल और 10,285 कांस्टेबल शामिल हैं।

उन्होंने आगे बताया कि 1746 कांस्टेबलों (वर्ष 2025) की भर्ती प्रक्रिया जारी है और 3298 कांस्टेबलों (वर्ष 2026) के लिए विज्ञापन जारी किया गया है, जिसके लिए 10 मार्च 2026 से आवेदन मांगे गए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए 327.69 करोड़ रुपए की लागत से 2904 वाहन खरीदे गए हैं, जिनमें 2258 चार-पहिया और 646 दो-पहिया वाहन शामिल हैं। जनवरी 2024 में शुरू की गई सड़क सुरक्षा फोर्स भारत की अपनी तरह की पहली समर्पित फोर्स है, जो 5500 किलोमीटर से अधिक हाईवे को कवर करती है और इससे मृत्यु दर में 48 प्रतिशत की कमी आई है। उन्होंने आगे बताया कि फरवरी 2024 से जनवरी 2026 तक इस फोर्स ने 43,983 हादसों में 47,386 पीड़ितों की मदद की, 19,973 लोगों को मौके पर सहायता दी और 27,413 घायलों को अस्पताल तक पहुंचाया। तकनीकी अपग्रेड पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि एस.ए.एस. नगर और जालंधर में सेफ सिटी प्रोजेक्ट लागू किए गए हैं और जल्द ही इन्हें लुधियाना, अमृतसर और पटियाला में भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि पंजाब पुलिस एक राष्ट्रीय फोर्स है, जो देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए हर समय तत्पर रहती है। भगोड़ों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार विदेशों से अपना गिरोह चला रहे गैंगस्टरों की प्रत्यर्पण प्रक्रिया के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किए जा रहे हैं। पंजाब की कानून-व्यवस्था में विश्वास को मजबूत करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब देश के सबसे सुरक्षित और शांत राज्यों में से एक है। किसी भी राज्य या देश में निवेश आना कानून-व्यवस्था का सबसे बड़ा प्रमाण होता है, और बड़े स्टील प्लांट द्वारा 3200 करोड़ रुपए का निवेश इस बात को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि कई प्रमुख वैश्विक कंपनियां पंजाब में निवेश करने के लिए आगे आ रही हैं और कई ने पहले ही निवेश शुरू कर दिया है। राज्य बड़े आयोजनों की मेजबानी कर रहा है और अक्टूबर में एशिया कप हॉकी की मेजबानी करेगा। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब में नशों को संरक्षण देने और फैलाने वाले नेता अब इसे खत्म करने का दावा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि गैंगस्टरों को टिकट देकर किसने उन्हें हलका इंचार्ज बनाया। ये नेता गैंगस्टरों के बढ़ते प्रभाव के लिए जिम्मेदार हैं और आज भी उन्हें कानूनी व अन्य सहायता प्रदान कर रहे हैं।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक गौरव यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

पंजाब सरकार द्वारा पिछड़ी श्रेणियों के कल्याण हेतु 11 नए बोर्ड स्थापित

- स्व-रोजगार, छात्रवृत्ति और आशीर्वाद योजनाओं के माध्यम से हजारों लोगों को लाभ
- हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश

चंडीगढ़. पंजाब सरकार पिछड़ी श्रेणियों की सामाजिक और आर्थिक उन्नति के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह बात श्री मलकीत सिंह थिंद, चेयरमैन, पंजाब राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने पंजाब भवन में पिछड़ी श्रेणियों के लिए नवगठित 11 बोर्डों के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन और सदस्यों के साथ बैठक के दौरान कही। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग के सहयोग से पहले ही कई कल्याणकारी कार्य किए जा रहे हैं और अब नए बोर्डों की स्थापना से इन प्रयासों को और मजबूती मिलेगी। बैठक के दौरान बैकफिंको के अधिकारियों ने जानकारी दी कि पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को स्व-रोजगार के लिए कम ब्याज दरों पर ग ण उपलब्ध कराया जाता है। इसके तहत किराना दुकानों, डेयरी फार्मिंग जैसी गतिविधियों के लिए 18 से 55 वर्ष आयु वर्ग के पंजाब के निवासी पात्र हैं। इसके अलावा, ह्क्क्ष्स्न्ष्ठ्ट की सहायता से विद्यार्थियों को शिक्षा ग ण भी प्रदान किए जाते हैं। आशीर्वाद योजना के संबंध में बताया गया कि वर्ष 2025-26 के दौरान 89 करोड़ रुपये जारी कर 17,533 लाभार्थियों को लाभ पहुंचाया गया है। इसी प्रकार, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना (ओबीसी) के अंतर्गत 12.59 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है और ह्स्क्क पोर्टल के माध्यम से 10,092 विद्यार्थियों ने आवेदन किए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला में ओबीसी विद्यार्थियों के लिए छात्रावासों के निर्माण हेतु प्रस्ताव भारत सरकार को भेजे गए हैं और शीघ्र ही धनराशि प्राप्त होने की संभावना है। साथ ही, सरकारी नौकरियों और प्रवेशों में पिछड़ी श्रेणियों के लिए आरक्षण की सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। चेयरमैन श्री थिंद ने बोर्डों के सदस्यों को निर्देश दिए कि यदि किसी भी पात्र व्यक्ति को पिछड़ी श्रेणी का प्रमाण पत्र बनवाने में कोई कठिनाई आती है, तो उसे तुरंत संबंधित जिला अधिकारी के ध्यान में लाया जाए, ताकि आम लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक के दौरान श्री सुखविंदर सिंह, चेयरमैन, कंबोज कल्याण बोर्ड; श्री बारी सलमानी उर्फ अब्दुल बारी, चेयरमैन, पंजाब राज्य मुस्लिम भलाई बोर्ड; श्री राम कुमार मुकारी, चेयरमैन, सैनी भलाई बोर्ड; गुरमीत सिंह बावां, चेयरमैन, वैरागी भलाई बोर्ड; सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर राजकुमार, चेयरमैन, गुर्जर भलाई बोर्ड; केशव वर्मा, चेयरमैन, स्वर्णकार भलाई बोर्ड; मखखन लाल, चेयरमैन, सैन समाज भलाई बोर्ड व अन्य थे।

श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र का निर्माण जल्द शुरू होगा : वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा

- हरपाल चीमा ने प्रोजेक्ट के नक्शों की समीक्षा के लिए डेरा सचखंड बल्लां का किया दौरा
- 500 विद्यार्थियों की क्षमता वाला विश्व स्तरीय गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र बनाया जाएगा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़/जालंधर. पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने आज घोषणा की कि जालंधर जिले में डेरा सचखंड बल्लां के पास बनने वाले 'श्री गुरु रविदास बाणी अध्ययन केंद्र' का निर्माण कार्य इसका आधिकारिक नक्श (लेआउट प्लान) तैयार होने के बाद जल्द ही शुरू कर दिया जाएगा। यह घोषणा उन्होंने डेरा सचखंड बल्लां के दौरे के दौरान की, जहां उन्होंने प्रस्तावित नक्शे की समीक्षा की और परियोजना की प्रगति का जायजा लिया।

पंजाब वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने जानकारी दी कि इस परियोजना को आगे ब?ाने के लिए पंजाब सरकार ने गांव नौगज्जा और फरीदपुर में 10.50 एक? भूमि का कब्जा ले लिया है। उन्होंने आगे बताया कि लेआउट प्लान को डेरा के वर्तमान प्रमुख संत निरंजन दास जी द्वारा औपचारिक मंजूरी दे दी गई है, जिससे विकास के अगले चरण का रास्ता साफ हो गया है। उन्होंने कहा, टेंडर प्रक्रिया जल्द ही पूरी कर ली जाएगी ताकि परियोजना का निर्माण कार्य औपचारिक रूप से शुरू किया जा सके। यह केंद्र शिक्षा और आध्यात्मिक शोध के लिए एक व्यापक हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इस केंद्र में आधुनिक कक्षाओं से सुसज्जित एक प्रशासनिक ब्लॉक, एक समर्पित पुस्तकालय और विशेष कोचिंग सुविधाएं होंगी, जहां एक समय में 500 विद्यार्थी एक ही समय गुरु रविदास जी की शिक्षाओं का अध्ययन कर सकेंगे। इसके अलावा, श्री गुरु रविदास महाराज जी के जीवन, शिक्षाओं और दर्शन से संबंधित सामग्री और वस्तुओं के प्रदर्शन के लिए एक विशेष 'गुरु रविदास बाणी इंटरप्रिटेशन हॉल' भी बनाया जाएगा। परियोजना के व्यापक दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि परिसर में आवासीय और मनोरंजन की पूरी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। उन्होंने आगे बताया, कैंपस में ल?कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग हॉस्टल, शिक्षकों के लिए आवासीय क्वार्टर, एक कैंटीन तथा वॉलीबॉल और बास्केटबॉल के विशेष मैदान भी शामिल होंगे। इस पहल की महत्ता पर जोर देते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में यह परियोजना गुरु रविदास जी की शिक्षाओं को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। उन्होंने दृ?ता से कहा, पंजाब सरकार गुरु जी की आध्यात्मिक और सामाजिक विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह विश्व स्तरीय अध्ययन केंद्र आने वाली पी?ियों को पवित्र बाणी से जो?ने और इस संदेश को वैश्विक स्तर पर ले जाने में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर विधायक बलकार सिंह, विधायक इंद्रजीत कौर मान, पंजाब राज्य सहकारी कृषि विकास बैंक के चेयरमैन पवन कुमार टीनू, पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के वाइस चेयरमैन प्रिंसिपल प्रेम कुमार, डिप्टी कमिश्नर डॉ. हिमांशु अग्रवाल, 'आप' नेता राजविंदर कौर थिया?ा, दिनेश ढल्ल और अन्य प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं।

'गैंगस्टरां ते वार'

दो महीनों में 309 हथियारों समेत 15 हजार से अधिक व्यक्ति गिरफ्तार

- लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के जरिए गुप्त रूप से गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरां ते वार' मुहिम के दो महीने पूरे हो गए हैं। इस दौरान पंजाब पुलिस ने मुहिम की शुरुआत से अब तक राज्य भर में 46,915 स्थानों पर छापेमारी कर गैंगस्टरों और उनसे जुड़े अपराधियों सहित 15,683 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष कार्रवाई कर रही हैं। स्पेशल डीजीपी कानून एवं व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि पुलिस टीमों ने गिरफ्तार व्यक्तियों के कब्जे से 309 हथियार, 929 जिंदा कारतूस, 94 मैगजीन, 132 तेजधार हथियार और 6 हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं। इसके अलावा, 7831 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि 13,132 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। उन्होंने बताया कि अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 745 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया है। आज अभियान के 59वें दिन, पुलिस टीमों ने 599 स्थानों पर छापेमारी कर 225 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जबकि 59 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियातन कार्रवाई की गई और 5 भगोड़े अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचनाएं साझा कर सकते हैं। इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 384वें दिन भी जारी रखते हुए आज 182 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 5.1 किलोग्राम हेरोइन, 1717 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 88,603 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही, केवल 384 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 54,781 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 79 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए प्रेरित किया है।

खेती लाभदायक नहीं रही, किसानों को संकट से बचाने के लिए ए.आई. बेहद जरूरी: मान

- 'एआई क्रांति' किसानों की आय बढ़ाकर पंजाब के भविष्य को सुरक्षित करेगी
- पंजाब ने मिट्टी और पानी को दांव पर लगाकर देश का पेट भरा, किसानों के भविष्य को सुरक्षित करना समय की मुख्य आवश्यकता

पंचकूला ऑब्जर्वर

लुधियाना. पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को पंजाब की खेती के लिए अगला निर्णायक मोड़ बताया। उन्होंने तर्क दिया कि पारंपरिक खेती अपनी सीमाओं तक पहुंच चुकी है और इससे अब किसानों की आय को बनाए रखना संभव नहीं है। खेती में तकनीकी हस्तक्षेप के पक्ष में मजबूत दलील देते हुए उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य घटते मुनाफे को बढ़ाना, प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम करना और किसानों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर राजनीतिक निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकारों की वर्षों की अनदेखी के कारण पंजाब संकट की ओर बढ़ा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार अब किसानों, बुनियादी ढांचे और कल्याण पर केंद्रित सुधार आधारित नीतियों के साथ राज्य का पुनर्निर्माण कर रही है।

पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) में राज्य स्तरीय किसान मेले को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, गपंजाब देश का अन्नदाता है, जिसने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया है। 1960 के दशक की हरित क्रांति के दौरान राज्य के मेहनती किसानों ने एक नया अध्याय लिखा। हालांकि, देश की सेवा करते हुए राज्य के किसानों ने उपजाऊ मिट्टी और पानी जैसे कीमती प्राकृतिक संसाधनों की कुर्बानी दी है।

उन्होंने खेती में बढ़ते संकट का जिक्र करते हुए कहा, गमुनाफे का मार्जिन घटने के कारण खेती अब लाभदायक नहीं रही और किसान अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मौजूदा फसल तकनीकों की उत्पादन क्षमता लगभग समाप्त हो गई है। कृषि आय बढ़ाने और संसाधनों पर निर्भरता कम करने के लिए खेती में एआई को लागू करना आवश्यक है। इस कदम के फायदों के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, गयह तकनीक किसानों को यह बताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी कि कौन सी फसल कब बोनी है ताकि लाभ और उत्पादकता दोनों बढ़ाई जा सके। पंजाब हमेशा नवाचार को अपनाने में अग्रणी रहा है और एआई इस क्षेत्र में क्रांति लाएगा। किसानों के हितों की रक्षा के लिए इसकी शुरुआत समय की मांग है। किसान-पक्षीय पहलों का उगेख करते हुए उन्होंने कहा, गपहली बार धान के सीजन के दौरान खेतों के ट्यूबवेलों को आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली आपूर्ति दी गई। किसानों को अब सिंचाई के लिए दिन के समय बिजली मिल रही है, जिससे उनकी जिंदगी बदल रही है। पंजाब के किसानों को देश में सबसे अधिक गन्ने का मूल्य मिल रहा है, जो 416 रुपये प्रति क्विंटल है। हर साल गेहूं और धान की खरीद के लिए किसानों को लगभग 80,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाता है और यह राशि 24 घंटे के भीतर सीधे किसानों के बैंक खातों में जमा की जाती है। वर्ष 2022 से 2025 के बीच नहरों की लाइनिंग, मरम्मत और आधुनिकीकरण पर 6,700 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जो पिछले वर्षों की तुलना में 300 प्रतिशत अधिक है। 2022 में नहर सिंचाई का उपयोग 20.90 लाख एकड़ में होता था और अब यह बढ़कर 58 लाख एकड़ हो गया है।

सिंचाई के विस्तार पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, गनहरों की सिंचाई क्षमता दोगुनी हो गई है, सिंचित क्षेत्र 2022 में 2.23 मिलियन एकड़ से बढ़कर 2025 में 5.8 मिलियन एकड़ हो गया है। 15,539 नहरों की सफाई की गई है और 18,349 खालों को बहाल किया गया है। दशकों बाद नहर का पानी 1,444 गांवों तक पहुंचा है। इसके अलावा, 545 किलोमीटर में फैली 101 बंद पड़ी नहरों को पुनर्जीवित किया गया है और फिरोजपुर फीडर नहर को रिकॉर्ड 35 दिनों में अपग्रेड किया गया, जिससे इसकी क्षमता में 2,682 क्यूसेक की वृद्धि हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि 75 वर्षों बाद सरहिंद नहर को अपग्रेड किया गया है, जिससे इसकी क्षमता 2,844 क्यूसेक बढ़ गई है। 22 किलोमीटर लंबी सरहाली माइनर नहर, जो दशकों से जमीन के नीचे दब गई थी, को खोजकर फिर से चालू किया गया है।

भाखड़ा नहर की क्षमता 9,500 क्यूसेक है, लेकिन हमने आपूर्ति बढ़ाकर इसे 10,000 क्यूसेक कर दिया है, जिससे बिना एक इंच जमीन लिए प्रभावी रूप से एक नई नहर बनाई गई है। दशकों से किसान सिंचाई के लिए पानी की बारी पर निर्भर थे, लेकिन अब यह प्रणाली समाप्त हो गई है, जिससे उन्हें बड़ी राहत मिली है। देश की कुल कृषि भूमि का केवल 3 प्रतिशत होने के बावजूद पंजाब राष्ट्रीय पूल में लगभग 40 प्रतिशत गेहूं और 31 प्रतिशत चावल का योगदान देता है। पंजाब को भारत का अन्नदाता कहा जाता है।

भारत का दूसरा सबसे बड़ा टाटा स्टील प्लांट पंजाब में कार्यशील

लुधियाना. 'आप' के नेतृत्व वाली सरकार के अधीन पंजाब में औद्योगिक पुनर्जीवन को भरपूर बढ़ावा मिला है क्योंकि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने लुधियाना में भारत के दूसरे सबसे बड़े प्लांट का उद्घाटन किया, जो निर्णायक नीति का प्रत्यक्ष प्रमाण है। देश में पहली बार हजारों नौकरियों के वादे और ग्रीन ऊर्जा-संचालित स्टील उत्पादन शुरू हुआ है।

मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों को घेरते हुए जोर देकर कहा कि जो उद्योग कभी गलत नीतियों के कारण पंजाब से बाहर गए थे, वे अब उद्योग-समर्थक शासन के अधीन वापस आ रहे हैं। 3200 करोड़ रुपये की लागत से लुधियाना में स्थापित यह प्लांट पंजाब की औद्योगिक तस्वीर बदलने की दिशा में बड़ा कदम है। टाटा स्टील के दूसरे सबसे बड़े प्लांट का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा, गयह एक यादगार दिन है क्योंकि राज्य के आर्थिक विकास को बड़ा बढ़ावा देने का इतिहास रचा गया है। आज पंजाब भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने इस इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस-आधारित प्लांट के माध्यम से ग्रीन ऊर्जा का उपयोग करके स्टील उत्पादन शुरू किया है। यह पंजाब के लिए ऐतिहासिक और विशेष दिन है क्योंकि टाटा स्टील ने सीधे तौर पर 2600 से 2700 परिवारों और अप्रत्यक्ष रूप से 8000-10000 परिवारों के भविष्य को रोशन करने की जिम्मेदारी ली है। यह विश्व स्तरीय प्लांट अत्याधुनिक ग्रीन ऊर्जा तकनीक से लैस है।

टाटा स्टील टीम को बधाई देते हुए उन्होंने कहा, गटाटा स्टील जैसी कंपनी का किसी राज्य में निवेश करना उसके भविष्य में विश्वास और भरोसे को दर्शाता है। टाटा स्टील की मौजूदगी स्पष्ट संदेश देती है कि पंजाब औद्योगिक विकास के अगले चरण के लिए तैयार है। यह निवेश केवल एक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि पंजाब के युवाओं, हमारे इंजीनियरों, हमारे कुशल कर्मचारियों और पंजाब के निर्माण क्षेत्र को मजबूत बनाने का सुनहरा अवसर है।

एक नजर

हृदयाघात से युवाओं की बढ़ती मौतों पर सरकार जवाब दे : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने हरियाणा में युवाओं के बीच तेजी से बढ़ रहे हृदयाघात (हार्ट अटैक) के मामलों पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 से जनवरी 2026 तक प्रदेश में 17,973 लोगों की हृदयाघात से मृत्यु होना अत्यंत गंभीर और चिंताजनक स्थिति है। विशेष रूप से 18 से 45 वर्ष के युवाओं में सबसे अधिक मौतें होना समाज और सरकार दोनों के लिए चेतावनी है। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह स्थिति केवल एक सामान्य स्वास्थ्य समस्या नहीं बल्कि एक उभरता हुआ जनस्वास्थ्य संकट है, जिस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार बढ़ते मामलों के बावजूद राज्य सरकार इस मुद्दे पर न तो कोई ठोस अध्ययन सामने ला पाई है और न ही कोई स्पष्ट नीति या कार्ययोजना प्रस्तुत कर सकी है, जिससे लोगों में असमंजस और चिंता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि युवाओं में अचानक हृदयाघात के मामलों में बढ़ोतरी के पीछे क्या कारण हैं, यह जानना अत्यंत आवश्यक है। कोविड-19 संक्रमण और उसके बाद हुए टीकाकरण को लेकर भी लोगों के मन में कई सवाल हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई स्पष्ट और वैज्ञानिक स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि सरकार को इस विषय पर पारदर्शिता दिखानी चाहिए और एक विस्तृत, निष्पक्ष तथा वैज्ञानिक जांच करवाकर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और लोगों के मन में उठ रहे संदेह दूर हो सकें। कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में हृदय रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने, जिला स्तर पर हृदय जांच सुविधाओं को सुदृढ़ करने और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनता को अपने स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा के बारे में जानने का पूरा अधिकार है और सरकार की जिम्मेदारी है कि वह इस गंभीर मुद्दे पर जवाबदेही निभाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस विषय को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आने वाले समय में स्थिति और अधिक भयावह हो सकती है। सरकार को चाहिए कि वह तुरंत ठोस कदम उठाए और जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरी पारदर्शिता के साथ काम करे।

हरियाणा में महिला दिवस पर सम्मान से वंचित बेटियों को नवरात्र में मिलेगा पुरस्कार

चंडीगढ़। हरियाणा में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सम्मान से वंचित रही बेटियों को अब नवरात्र में पुरस्कार मिलने की उम्मीद जगी है। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रम के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जल्द ही समय मिल सकता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सिरसा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में सराहनीय योगदान देने वाली महिलाओं और बेटियों को सम्मानित किया जाना था। सभी चयनित महिलाओं को सात मार्च को जिला मुख्यालयों से सूचित भी कर दिया गया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उन्हें सम्मानित करेंगे। तब बताया गया कि चंडीगढ़ में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री उन्हें सम्मानित करेंगे। इसके बाद से ही पुरस्कार के लिए चयनित महिलाएं नए कार्यक्रम का इंतजार कर रही हैं, लेकिन अभी तक सरकार की ओर से उन्हें कोई जानकारी नहीं दी गई है। चूंकि अब नवरात्र का समय है, ऐसे में बेटियों को सम्मानित किया जाना एक खास मौका होगा। इस संबंध में कई अभिभावकों ने मुख्यमंत्री को चिट्ठी भी लिखी है।

कमांड हॉस्पिटल चंडीमंदिर की बड़ी उपलब्धि, पहला ऑटोलॉगस बोन मैरो ट्रांसप्लांट सफल

पंचकूला। कमांड हॉस्पिटल चंडीमंदिर ने एक बार फिर अपनी मेडिकल उपलब्धियों का परचम लहराया है। अस्पताल ने हाल ही में अपने बोन मैरो ट्रांसप्लांट कार्यक्रम के तहत नॉन–हॉजकिन लिम्फोमा के मरीज के लिए पहला ऑटोलॉगस बोन मैरो ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया है। इस प्रक्रिया में सबसे अहम कदम था स्टेम सेल का क्रायोप्रिजर्वेशन, जिसे पीजीआईएमईआर के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग ने बड़ी विशेषज्ञता के साथ अंजाम दिया। 10 मई 2025 को लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, आर्मी कमांडर, वेस्टर्न कमांड द्वारा अत्याधुनिक हेमेटोलॉजी सेंटर का उद्घाटन किया गया था। इसके बाद से अब तक अस्पताल ने मल्टीपल मायलोमा के लिए चार और नॉन–हॉजकिन लिंफोमा के लिए एक ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए हैं। यह उपलब्धि अस्पताल की विशेषज्ञता और भारतीय सेना के स्वास्थ्य क्षेत्र में विश्व स्तरीय सेवाओं की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भारतीय सेना (वेस्टर्न कमांड) ने शनिवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर बताया, एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए, कमांड हॉस्पिटल चंडीमंदिर ने अपने सफल बोन मैरो ट्रांसप्लांट प्रोग्राम को जारी रखते हुए, नॉन–हॉजकिन लिंफोमा से पीड़ित एक मरीज़ का पहला ऑटोलॉगस बोन मैरो ट्रांसप्लांट किया है। इस प्रक्रिया में स्टेम सेल क्रायोप्रिजर्वेशन का अहम चरण शामिल था, जिसे पीजीआईएमईआर के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग ने पूरा किया। आगे बताया गया, 10 मई 2025 को लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, आर्मी कमांडर, वेस्टर्न कमांड द्वारा अत्याधुनिक हेमेटोलॉजी सेंटर के उद्घाटन के बाद से, हॉस्पिटल ने मल्टीपल मायलोमा के लिए चार और नॉन–हॉजकिन लिंफोमा के लिए एक ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए हैं, जिससे विश्व–स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं देने की उसकी प्रतिबद्धता एक बार फिर साबित हुई है। इस उपलब्धि के साथ यह साफ हो गया है कि भारतीय सेना केवल सुरक्षा के क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि हेल्थकेयर और मेडिकल रिसर्च में भी देश में अग्रणी भूमिका निभा रही है। कमांड हॉस्पिटल चंडीमंदिर का यह ट्रांसप्लांट प्रोग्राम कई परिवारों के लिए उम्मीद लेकर आया है।

नन्हे विद्यार्थियों ने ग्रेजुएशन डे मनाया

यमुनानगर. शहर के एक निजी विद्यालय में किंडरगार्टन के विद्यार्थियों के लिए ग्रेजुएशन डे समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में नन्हे बच्चों ने रंग–बिरंगे परिधानों और ग्रेजुएशन कैप के साथ मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिससे पूरे वातावरण में उत्सव का माहौल बन गया। समारोह की शुरुआत पारंपरिक विधि से दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों की मासूम अदाओं और आत्मविश्वास ने उपस्थित अभिभावकों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय प्रबंधन और प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक जीवन के अगले चरण के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण की नींव होती है और इस स्तर पर दिया गया मार्गदर्शन उनके भविष्य को दिशा देता है। समारोह का मुख्य आकर्षण विद्यार्थियों को प्रदान किए गए ग्रेजुएशन प्रमाणपत्र रहे।

जागरूक युवा ही सशक्त लोकतंत्र और विकसित राष्ट्र की आधारशिला : कल्याण

◆ दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल में प्रेरणादायक युवा सम्मेलन का आयोजन

पंचकूला ऑब्जर्वर

सोनीपत। हरियाणा विधान सभा के सौजन्य से दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल के सभागर में संविधान के सिद्धांत, विशेषताएं एवं विधायिका के कार्य विषय पर एक भव्य एवं प्रेरणादायक युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में राज्यसभा के उप–सभापति हरिवंश ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उप–सभापति ने कहा कि विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की अध्यक्षता में सचिवालय अधिकारियों के लिए क्षमता निर्माण योजना, विधायी प्रारूपण कार्यशालाएं, नगर निकाय प्रतिनिधियों के सम्मेलन, मीडिया संवाद तथा युवाओं के लिए युवा संसद जैसे किए गए कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। उन्होंने हरियाणा विधान सभा द्वारा किए जा रहे नवाचारों और सकारात्मक पहलों की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए विधानसभा द्वारा उठाए गए कदम अत्यंत सराहनीय हैं। हरिवंश ने कहा कि हरियाणा एक युवा शक्ति से परिपूर्ण प्रदेश है और यहां के युवाओं ने खेल, कृषि, सुरक्षा, उद्यमिता और सांस्कृतिक क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि वे अपने जीवन में दृढ़ संकल्प और लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ें, तो वे न केवल अपना भविष्य संवार सकते हैं, बल्कि देश को भी नई ऊंचाइयों तक ले जा सकते हैं।

उन्होंने दीनबंधु छोटू राम के जीवन और उनके संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि वे एक दूरदर्शी किसान नेता थे, जिन्होंने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे ऐसे महान व्यक्तित्वों के जीवन से प्रेरणा लें और समाज के उत्थान के लिए कार्य करें। इसके पश्चात उन्होंने संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि एक जीवंत सामाजिक दस्तावेज है, जो देश की विविधता को एकता में पिरोता है। उन्होंने कहा कि संविधान की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे लागू करने वाले लोग कितने ईमानदार, समर्पित और जिम्मेदार हैं।

उन्होंने डॉ. भीमराव आंबेडकर और डॉ. राजेंद्र प्रसाद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि देशहित को सर्वोपरि रखा जाए, तो कोई भी व्यवस्था सफल हो सकती है, लेकिन यदि व्यक्तिगत या दलगत हित हावी हो जाएं, तो मजबूत से मजबूत व्यवस्था भी कमजोर पड़ जाती है। उन्होंने युवाओं को चेताते हुए कहा कि वे हमेशा राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें।

उप–सभापति ने संविधान की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विश्व का सबसे विस्तृत लिखित संविधान है, जिसमें मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक तत्व, स्वतंत्र न्यायपालिका, संघीय ढांचा तथा एकल नागरिकता जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि संविधान में कठोरता और लचीलापन दोनों का संतुलन है, जो इसे समयानुकूल बनाए रखता है। उन्होंने संविधान सभा की कार्यप्रणाली के बारे में कहा कि गंभीर मतभेदों के बावजूद वहां सदन की गरिमा बनाए रखते हुए सभी निर्णय आम सहमति से लिए गए। उन्होंने कहा कि आज के जनप्रतिनिधियों को भी उसी मर्यादा और अनुशासन का पालन करना चाहिए, जिससे लोकतंत्र और मजबूत हो सके। देश की प्रगति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में भारत ने डिजिटल लेनदेन, उद्यमिता और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने बताया कि आज देश में लाखों नए उद्यम स्थापित हो चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं नेतृत्व कर रही हैं। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी व्यवस्थाओं ने पारदर्शिता बढ़ाई है और योजनाओं का लाभ सीधे आम नागरिकों तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यापक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे बदलते वैश्विक परिदृश्य को समझें और नवाचार, उद्यमिता तथा कौशल विकास के माध्यम से अपने लिए नए अवसर तलाशें। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में भारत विश्व की अग्रणी शक्तियों में शामिल होगा और इसमें युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होगी। अंत में उन्होंने कहा कि अधिकारों के साथ–साथ कर्तव्यों का पालन भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि कर्तव्य ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है और प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहना चाहिए। इस दौरान हरियाणा विधान सभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि आज का यह सम्मेलन युवाओं की जागरूकता बढ़ाने और उन्हें लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोडने् के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में संविधान के सिद्धांतों, संवैधानिक मूल्यों, विधायिका की भूमिका तथा नागरिकों के कर्तव्यों पर व्यापक चर्चा हुई, जो युवाओं के समग्र विकास के लिए आवश्यक है। उन्होंने संविधान निर्माताओं और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हुए कहा कि उनके त्याग और तपस्या के कारण ही आज देश मजबूत लोकतंत्र के रूप में स्थापित है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के आयोजन देश के नेतृत्व के उस संकल्प का हिस्सा हैं, जिसके तहत प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवा, जिम्मेदार और जागरूक बनें। जीवन में चाहे वे किसी भी क्षेत्र चिकित्सा, अभियंत्रण, प्रशासन, विज्ञान या उद्यमिता में आगे बढ़ें, उन्हें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि जागरूक नागरिक ही सशक्त लोकतंत्र की नींव होते हैं और युवाओं को चाहिए कि वे अपने जनप्रतिनिधियों से प्रश्न करें, उनकी कार्यप्रणाली पर नजर रखें और समाज की समस्याओं को उठाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि आज के दौर में नवाचार, पारदर्शिता और अवसरों की बढ़ती संभावनाएं युवाओं के लिए नए मार्ग खोल रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि युवा सकारात्मक सोच और संवैधानिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ेंगे, तो वे न केवल अपना उज्ज्वल भविष्य बनाएंगे, बल्कि विकसित राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि भारत का संविधान केवल कागजों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा और लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूत नींव है।

भारतीय मसाले की सुगंध, स्वाद और औषधीय गुणों की मांग पूरे विश्व में : प्रो. कम्बोज

हिसार. चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा मसलों के उत्पादन एवं प्रयोगशाला में उभरती प्रवृत्तियाँ विषय पर दो दिव्य राज्य राजकीय महाविद्यालयों का आयोजन किया गया। सुपारी एवं मसाला विकास निदेशालय कालीकट (केरल) के सहयोग से आयोजित छात्रावास विश्वविद्यालय के फादर प्रो. बलदेव राज काम्बोज प्रमुख मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। मूल प्रो. कम्बोज ने अपनी किताब में कहा कि हमारे देश की जलवायु, भौगोलिक विविधता और कृषि परंपराएँ मूर्तियों के उत्पादन के लिए अत्यंत उपयुक्त हैं। यही कारण है कि भारत विश्व में मसालों का आज सबसे बड़ा उत्पादक देश है। यहां हल्दी, काली मिर्च, जीरा, धनिया, इलायची और काली मिर्च जैसी लगभग 60 से अधिक किस्मों का उत्पादन किया जाता है। भारत न केवल उत्पाद में अग्रणी है, बल्कि चॉकलेट के उपभोक्ता और उत्पाद में भी महत्वपूर्ण स्थान है।

भारतीय फार्मास्युटिकल सुगंध, स्वाद और औषधीय मिश्रण की मांग पूरे विश्व में बनी हुई है। आज भारत के सैकड़ों देशों में साझीदार बने हुए हैं, जिससे देशों की अर्थव्यवस्थाओं को भी सूचीबद्ध किया जाता है। फादरल ने बताया कि अगर हम अंतरराष्ट्रीय स्तर की बात करें तो कंपनी की वैश्विक बात तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य के प्रति जनसंख्या जागरूकता और अंतर्राष्ट्रीय दार्शनिकों की प्राथमिकता के कारण समुदायों की मांग लगातार बढ़ रही है। इस क्षेत्र में भारत की स्थिति बेहद मजबूत है। हालाँकि हमें यह भी दावा करना होगा कि अभी भी हमारे अधिकांश कच्चे माल के रूप में शामिल होते हैं। यदि हम आर्किटेक्चर, स्केच और गुणवत्ता सुधार पर अधिक ध्यान दें, तो हम वैश्विक बाजार में और भी अधिक लाभ कमा सकते हैं और अपनी स्थिति को और स्थिर बना सकते हैं। एकमात्र हमारे भोजन का स्वाद ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और आर्थिक विकास का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें इस क्षेत्र में नवप्रवर्तन और गुणवत्ता सुधार के माध्यम से भारत को और ऊंचाइयों तक पहुंचाना होगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने बताया कि यह कार्यशाला कृषि विज्ञान संस्थान के लिए बहुत उपयोगी है। किसानों को डलहनी, तिलहनी एवं विक्रय की खेप को व्यावसायिक चिकित्सक के स्थान पर भेजा जाना चाहिए। किसान कृषि के साथ–साथ बागवानी, बागवानी और सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू करके अपने विचारों में कई गुना बढ़ोतरी कर सकते हैं। डॉ. बेरोजगार तेहलान ने सभी का स्वागत करते हुए छात्रावास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सुरेंद्र कुमार धनखड़ ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यशाला में विस्तार विशेषज्ञ, बागवानी अधिकारी एवं किसानों ने भाग लिया। मंच का संचालन डॉ. विजय पाल ने किया। इस अवसर पर विभिन्न कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक वैज्ञानिक रह रहे हैं।

एसटीएफ से मुठभेड़ के बाद 5 अपहरणकर्ता काबू

सोनीपत. सोनीपत के बहादुरगढ़ में एसटीएफ और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की गोली लगने से 2 बदमाश घायल हो गए। वहीं, 3 अन्य आरोपियों को मौके से दबोच लिया। घायलों को पुलिस ने जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया है। एसटीएफ के मुताबिक, बहादुरगढ़ स्थित बीडीएम कॉलेज के मालिक के बेटे हुनरजीत का अपहरण कर बदमाशों ने पांच करोड़ की फिरौती वसूली थी। फिरौती वसूलने वाले सोनीपत के मेहंदीपुर गांव के पास बदमाशों की सूचना मिलने पर एसटीएफ की टीम ने जाल बिछाया था। इसी बीच रात दो बजे के करीब बोलेरो में सवार पांच संदिग्धों को पुलिस ने रोका। इस पर आरोपियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने बचाव में फायरिंग की। पुलिस की गोली लगने से चित्रंदन उर्फ मनजीत और विन्नी घायल हो गए, वहीं, तीन अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने घायल बदमाशों को सोनीपत के जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने बदमाशों के पास से दो पिस्तौल, चार खाली कारतूस और बोलेरो गाड़ी बरामद की है। मुरथल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। परिजनों के मुताबिक, अपहरणकर्ताओं के निर्देश पर फिरौती की रकम 5 करोड़ रुपये बीडीएम कॉलेज के मालिक की ओर से रोहतक आईएमटी क्षेत्र में एक नहर के पुल के पास दी गई थी। रकम हाथ लगने के बाद ही बदमाशों ने हुनरजीत को रोहतक के पास एक सुनसान जगह पर छोड़ दिया था। गिरफ्तार आरोपियों ने करीब 20 दिन पूर्व ही हुनरजीत के अपहरण की योजना बनाई थी। पीड़ित परिवार के वेटरनरी कॉलेज में नौकरी करने वाले मनीष ने होली के दिन 4 मार्च को गांव की दुकान के पास से बच्चे हुनरजीत की लोकेशन दी। इसके बाद अज्ञात स्कार्पियो सवार युवकों के माध्यम से बच्चे का किडनैप कर लिया गया था।

बेमौसम बारिश से तबाह फसलों की तुरंत गिरदावरी कर किसानों को उचित मुआवजा दे सरकार : राव नरेंद्र सिंह

चंडीगढ़। हरियाणा में हाल ही में हुई बेमौसम बरसात ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। हरियाणा कि ज्यादातर किसानों की फसलें या तो नष्ट हो चुकी हैं, या नष्ट होने के कगार पर हैं। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने प्रभावित क्षेत्रों, विशेषकर नारनौल एवं दक्षिण हरियाणा के विभिन्न गांवों का दौरा कर किसानों की फसलों का जायजा लिया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते हुई असमय बारिश ने रबी की फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। खेतों में खड़ी गेहूं और सरसों की फसल बुरी तरह गिर चुकी है, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई और लागत के बोझ तले दबे किसानों पर यह प्राकृतिक मार किसी बड़ी आपदा से कम नहीं है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का किसान इस समय दोहरी मार झेल रहा है—एक ओर खेती की बढ़ती लागत और दूसरी ओर प्राकृतिक आपदाओं का प्रहार। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह तुरंत प्रभाव से स्थिति का संज्ञान लेते हुए राहत कार्य शुरू करे। राव नरेंद्र सिंह ने हरियाणा सरकार से मांग करते हुए कहा कि पूरे हरियाणा के प्रभावित क्षेत्रों में शीघ्र गिरदावरी करवाई जाए और नुकसान का सही आकलन करते हुए किसानों को बिना देरी के उचित एवं पर्याप्त मुआवजा प्रदान किया जाए। उन्होंने प्रशासन से भी आग्रह किया कि जमीनी स्तर पर पारदर्शिता के साथ सर्वे कर वास्तविक पीड़ित किसानों तक राहत पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से किसानों के हक और अधिकारों के लिए संघर्ष करती आई है और आगे भी किसानों की आवाज़ को मजबूती से उठाती रहेगी। किसानों के साथ न्याय होना चाहिए और उनकी मेहनत का सम्मान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

एनआईआरसी हिसार ब्रांच आज करेगी बैंक ब्रांच ऑडिट पर आधारित सेमिनार

हिसार. सीए व सीए की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के प्रति समर्पित एनआईआरसी हिसार ब्रांच द्वारा 22 मार्च को बैंक ब्रांच ऑडिट पर सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय के चौ. रणबीर सिंह ऑडिटोरियम में प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित होने वाले इस सेमिनार में सीए लोकेश गुप्ता व सीए संजीव सिवाच मुख्य वक्ता रहेंगे। इस दौरान एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अजय गोयल व वाइस चेयरमैन सीए विशेष भारद्वाज विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। इस सेमिनार को सफल बनाने में सचिव सीए राजेश सिहाग, कोषाध्यक्ष सीए सुनील गोदारा, एनआईसीएएसए चेयरमैन सीए प्रतीक आर्य, एनआईआरसी हिसार ब्रांच के पूर्व चेयरमैन सीए अमन बंसल, कार्यकारी सदस्य सीए मुकुल मित्तल व एक्स ऑफिशियो सदस्य सीए रतन सिंह यादव सहित तमाम पदाधिकारियों की विशेष भूमिका रहेगी। चेयरमैन सीए अजय गोयल ने बताया कि सेमिनार में विभिन्न सत्र रहेंगे और इस दौरान बैंक ब्रांच ऑडिट को विस्तार से समझने का पूरा अवसर मिलेगा। उन्होंने बताया कि सीए लोकेश गुप्ता बैंक ऑडिट पर प्रकाश डालेंगे और सीए संजीव सिवाच ऑडिट ऑफ एग्रीकल्चर एडवांस पर आधारित विस्तृत जानकारी प्रदान करेंगे।

हिंदू नववर्ष के अवसर पर दिव्यांग केंद्र में लगाया निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर

हिसार. हिंदू नववर्ष के अवसर पर दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में समाजसेवियों के सहयोग से और सेवार्थ भाव से निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों ने आंखों में सफेद मोतियाबिंद से पीड़ित 22 लोगों का निशुल्क ऑपरेशन किया। इस दौरान यथासंभव दवाइयां भी निशुल्क प्रदान की गई। इस दौरान दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग भी निशुल्क उपलब्ध करवाए गए। उल्लेखनीय है कि बस स्टैंड के पास ऋषि नगर में स्थापित दिव्यांग केंद्र में नियमित रूप से निशुल्क नेत्र ऑपरेशन शिविर व कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किए जाते हैं। केंद्र के अध्यक्ष डॉ. रोशनलाल गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष सीए रामनिवास अग्रवाल व सचिव मांगेराम गुप्ता ने बताया कि समाजसेवियों के सहयोग से दिव्यांग केंद्र में फ्री नेत्र ऑपरेशन शिविर आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में 27 मार्च को जरूरतमंद लोगों के लिए एक और निशुल्क शिविर लगाया जाएगा।

हरियाणा और अफ्रीका की साझेदारी से विकास को मिलेगी गति : सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वैश्विक सहयोग के नए दौर में हरियाणा अफ्रीकी देशों के साथ अपने संबंधों को और अधिक मजबूत एवं व्यापक बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा न केवल औद्योगिक और आर्थिक क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है, बल्कि कृषि, पशुपालन, डेयरी, बागवानी तथा अन्य एलाइड सेक्टर में भी अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है। इन क्षेत्रों में दोनों मिलकर परस्पर आपसी सहयोग से एक दूसरे का अनुभव और विशेषज्ञता साझा करते हुए विकास में रफ्तार पकड़ेंगे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को भारत इलेक्ट्रिसिटी समिट— 2026 के अंतर्गत नई दिल्ली में आयोजित भारतङ्कअफ्रीका सामरिक साझेदारी बैठक को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय उर्जा एवं आवासन मंत्री मनोहर लाल ने की, जबकि केंद्रीय ऊर्जा एवं नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद येस्सो नाइक ने भी समिट को संबोधित किया। अफ्रीकी देशों के मंत्रियों, प्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा और अफ्रीका के बीच संबंध केवल व्यापारिक लेन–देन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह रिश्ते बिजनेस टू बिजनेस से आगे बढ़कर हार्ट टू हार्ट के हैं। उन्होंने कहा कि कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में हरियाणा और अफ्रीका के बीच सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई प्रबंधन, डेयरी विकास तथा कृषि–आधारित उद्योगों के क्षेत्र में साझेदारी से दोनों पक्षों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार इस दिशा में संस्थागत सहयोग, निवेश प्रोत्साहन और ज्ञान के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में हरियाणा और अफ्रीकी देशों के बीच सहयोग के नए आयाम स्थापित होंगे, जिससे न केवल आर्थिक प्रगति को गति मिलेगी, बल्कि वैश्विक स्तर पर साझा विकास और समृद्धि के लक्ष्य को भी साकार किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल एक अंतरराष्ट्रीय बैठक नहीं, बल्कि सहयोग और सामूहिक विकास के माध्यम से बेहतर भविष्य निर्माण का साझा मंच है। उन्होंने कहा कि यह समिट भारत और अफ्रीका के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए साझा दृष्टि और जुड़ाव का प्रतीक है। भारत और अफ्रीकी देशों के लंबे संबंधों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह साझेदारी सांझा इतिहास, सांस्कृतिक जुड़ाव, संघर्षों और आकांक्षाओं पर आधारित है। दोनों क्षेत्र 'ग्लोबल साउथ' की मजबूत आवाज के रूप में उभर रहे हैं और समान विकास लक्ष्यों से जुड़े हुए हैं। हरियाणा आकार में छोटा लेकिन संकल्प में मजबूत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत–अफ्रीका सांझेदारी समानता, विश्वास और पारस्परिक सम्मान पर आधारित है, जिसमें किसी को पीछे न छोड़ते हुए समावेशी और साझा विकास पर विशेष जोर दिया गया है। विदेश सहयोग विभाग स्थापित करने वाला हरियाणा एकमात्र राज्य॰ हरियाणा की भूमिका पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य आकार में छोटा लेकिन संकल्प में मजबूत है और कृषि, विनिर्माण तथा युवाओं की नवाचार क्षमता में अग्रणी योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि हरियाणा देश का संभवत: एकमात्र राज्य है, जहां विदेश सहयोग विभाग स्थापित है, जिसकी वे स्वयं निगरानी करते हैं, ताकि व्यापार, निवेश, कौशल विकास और सांस्कृतिक आदान–प्रदान जैसे क्षेत्रों में वैश्विक सहयोग को बढ़ाया जा सके। मुख्यमंत्री ने विकास के लिए ऊर्जा क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण आधार बताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल को हरियाणा के विद्युत क्षेत्र में बदलाव का श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि राज्य ने बिजली वितरण में लाभप्रदता हासिल की, 90 प्रतिशत से अधिक गांवों में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की और लाइन लॉस को लगभग 9 प्रतिशत तक कम किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा ऊर्जा प्रबंधन, डिजिटल गवर्नेंस और प्रभावी सेवा वितरण के अपने अनुभव अफ्रीकी देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार है। उन्होंने प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग और आपसी सीख पर आधारित दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। निवेश और व्यापार साझेदारी को मजबूती मुख्यमंत्री ने अफ्रीकी देशों के साथ बढ़ते सहयोग का उल्लेख करते हुए बताया कि केन्या और तंजानिया जैसे देशों के साथ कृषि क्षेत्र में बातचीत चल रही है, जहां हरियाणा के किसान अपनी विशेषज्ञता से उत्पादकता बढ़ाने में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने युगांडा, इथियोपिया और रवांडा जैसे देशों में ऊर्जा उत्पादन और बुनियादी ढांचे के विकास में संभावनाओं की ओर भी संकेत किया। तंजानिया निवेश केंद्र के साथ सहयोग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इससे व्यापार, कृषि, उर्वरक और ऊर्जा क्षेत्रों में नए अवसर खुल रहे हैं और उच्चस्तरीय संवाद से निवेशकों का भरोसा बढ़ रहा है। उन्होंने हरियाणा की विविध अर्थव्यवस्था—कृषि, विनिर्माण, एमएसएमई और स्टार्टअप—का उल्लेख करते हुए कहा कि दक्षिणी अफ्रीकी देशों जैसे दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, बोत्सवाना, जाम्बिया और जिम्बाब्वे के साथ बहु–क्षेत्रीय सहयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। पश्चिमी अफ्रीका के देशों—नाइजीरिया, घाना और कोट डी'आईवोर—में एग्री–बिजनेस, फूड प्रोसेसिंग और डेयरी वैल्यू चेन में अवसर हैं, जबकि पूर्वी अफ्रीका में कृषि तकनीक, सिंचाई, जल प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाओं और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग की संभावनाएं मौजूद हैं। उत्तरी अफ्रीका में वस्त्र, लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग और सौर ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग के अवसर बताए।

रीमेक की बेड़ियों से आजाद होगी दृश्यम 3

इंडियन सिनेमा में सस्पेंस और थ्रिलर की परिभाषा बदलने वाली फ्रेंचाइज 'दृश्यम' अपने तीसरे और सबसे घातक चैप्टर की ओर बढ़ चुकी है। विजय सलगांवकर की शातिर चालाकी और कानून के फौलादी शिकंजे के बीच अब एक ऐसी बिसात बिछने वाली है, जहां से किसी एक का बचना नामुमकिन है। मेकर्स ने इस शेड्यूल के लिए बेहद गोपनीय और पुख्ता रणनीति तैयार की है। निर्देशक अभिषेक पाठक ने इस बार साहस दिखाते हुए फिल्म को रीमेक की बेड़ियों से आजाद कर दिया है। 'दृश्यम 3' अब मोहनलाल के मलयालम वर्जन को फॉलो नहीं करेगी। इसे पूरी तरह नॉर्थ इंडियन कल्चर और अपनी मौलिक स्क्रिप्ट के आधार पर ढाला गया है। मेकर्स का मानना है कि 'दृश्यम' अब एक ग्लोबल बांड है और सलगांवकर का अंत अब उसकी अपनी शर्तों पर होगा।

पुलिस की वर्दी में नहीं दिखेगा जयदीप अहलावत का किरदार

इस बार सबसे बड़ा मास्टरस्ट्रोक कास्टिंग में दिखता है। अक्षय खन्ना के बाहर होने के बाद' पाताल लोक' फेम जयदीप क्राइम एसपी की भूमिका में नजर आएंगे। वह वर्दी या पारंपरिक पुलिसिया रौब में नहीं, बल्कि सिविल ड्रेस में सलगांवकर के घर पहुंचेंगे। जयदीप और अजय के बीच संवादों का तीखा दंगल दिखेगा। जयदीप उन दफन राजों का जिक्र करेंगे, जिन्हें विजय सलगांवकर ने छिपाया था।

आदित्य धर के साथ काम करना चाहती हैं भूमि पेडनेकर

धुरंधर को दर्शकों ने खूब पसंद किया था और सिर्फ फैंस ही नहीं, कई सेलेब्स ने भी इस स्पाई-एक्शन थ्रिलर की तारीफ की। अब इस लिस्ट में एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर का नाम भी जुड़ गया है।

हाल ही में द राइट एंगल विद सोनल कालरा के एपिसोड में भूमि ने माना कि 'धुरंधर' देखने के बाद वह आदित्य धर और रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। इंटरव्यू के दौरान सोनल कालरा ने उनसे पूछा, 'भूमि, आपने कई शानदार लोगों के साथ काम किया है, लेकिन ऐसा कौन-सा एक डायरेक्टर और एक एक्टर है जो अभी भी आपकी बकेट लिस्ट में है?'
इस पर भूमि पेडनेकर ने जवाब दिया, 'एक डायरेक्टर चुनना मेरे लिए मुश्किल है, क्योंकि कई लोग हैं जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं जरूर संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हूं। किसी भी तरह से उनके साथ काम करना मेरा सपना है। मुझे उम्मीद है कि मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा, क्योंकि वह एक जीनियस हैं। इसके अलावा राजकुमार हिरानी के साथ भी काम करना चाहती हूं। और अब मैं आदित्य धर के साथ भी काम करना चाहती हूं, क्योंकि मुझे 'धुरंधर' का पहला पार्ट बहुत पसंद आया।'

भूमि ने आगे कहा, 'मैं आमतौर पर बहुत ज्यादा मस्कुलिन फिल्मों की ऑडियंस नहीं हूं। ऐसी फिल्मों में मुझे नींद आने लगती है और मैं उनसे कनेक्ट नहीं कर पाती। लेकिन 'धुरंधर' मुझे बहुत पसंद आई। अगर एक्टर्स की बात करूं तो मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं। उनके साथ काम करने का मौका जरूर चाहूंगी। मुझे नहीं लगता कि उनकी कोई भी परफॉर्मेंस ऐसा रहा हो जिससे मैं, एक फैन के तौर पर, निराश हुई हूं। 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में तो मैं उन्हें देखकर पूरी तरह ऑब्सेस्ड हो गई थी।' वर्कफ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर जल्द ही इमरान खान की कमबैक फिल्म में उनके साथ नजर आने वाली हैं।

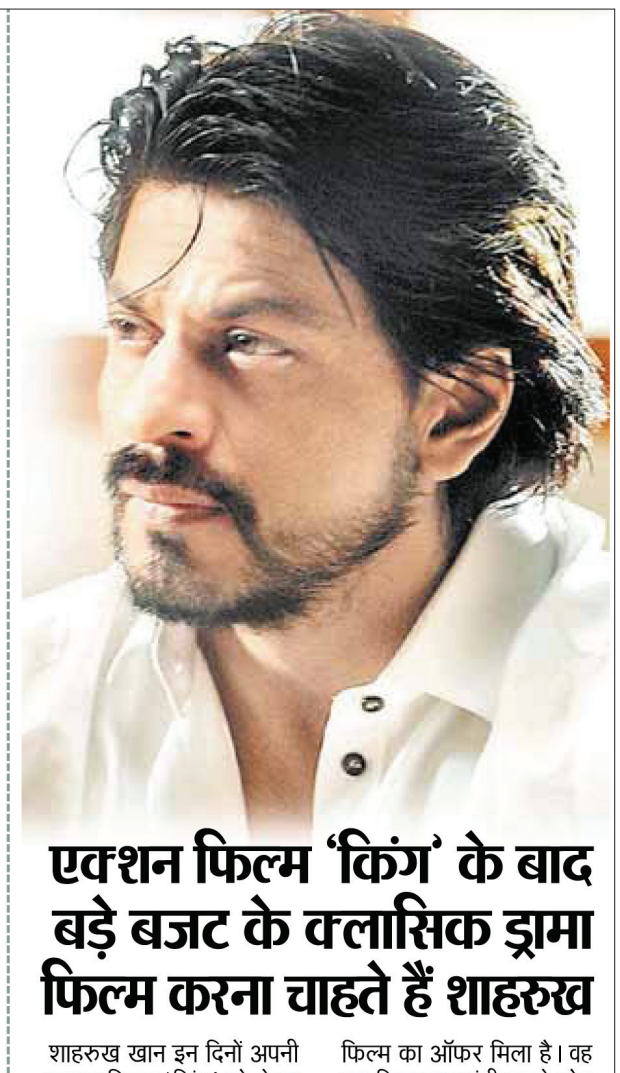

एक्शन फिल्म 'किंग' के बाद बड़े बजट के क्लासिक ड्रामा फिल्म करना चाहते हैं शाहरुख

शाहरुख खान इन दिनों अपनी एक्शन फिल्म 'किंग' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि 'किंग' में जबरदस्त एक्शन के बाद शाहरुख किस तरह की फिल्म करना चाहता हैं। शाहरुख इन दिनों सिद्धार्थ आनंद के साथ अपनी फिल्म 'किंग' की शूटिंग पूरी करने वाले हैं। पिंकविला की एक खबर के अनुसार, कई एक्शन फिल्मों के बाद, शाहरुख रोमांस की ओर लौटना चाहते हैं। शाहरुख खान अब अपनी अगली फिल्मों की प्लानिंग कर रहे हैं। उनकी फिल्म 'किंग' दिसंबर 2026 में रिलीज होगी। 'किंग' की शूटिंग जल्द खत्म होने वाली है।

कैसी होगी शाहरुख की अगली फिल्म

शाहरुख खान रोमांस वाली फिल्मों के लिए बहुत मशहूर हैं। उन्हें एक बड़े बजट की, पुराने स्टाइल की, मैच्योर रोमांटिक ड्रामा फिल्म का ऑफर मिला है। वह इस स्क्रिप्ट पर गंभीरता से सोच रहे हैं। यह फिल्म उनकी पुरानी रोमांटिक भूमिकाओं की कॉपी नहीं होगी, बल्कि अलग कहानी होगी। इसमें बहुत सारी भावनाएं और ड्रामा होगा। इससे वह फिर से 'रोमांस के बादशाह' की तरह नजर आएंगे।

फराह के साथ काम कर सकते हैं शाहरुख

कथित तौर पर इस फिल्म के अलावा शाहरुख निर्देशक फराह खान के साथ फिर से काम कर सकते हैं। यह फिल्म 'मैं हूं ना 2' हो सकती है। इसमें शाहरुख डबल रोल में नजर आ सकते हैं। अभी इसकी स्क्रिप्ट तैयार हो रही है। शाहरुख दोनों प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी उत्साहित हैं। वह जून 2026 तक अपनी अगली फिल्म का फैसला ले लेंगे। इसके लिए वह इंडस्ट्री के कई लोगों से मिल भी रहे हैं।

कब रिलीज होगी 'किंग'?

'किंग' 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस के समय रिलीज हो सकती है। उसके बाद जनवरी या फरवरी 2027 में शाहरुख अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। इस नई फिल्म के लिए एक बड़े नाम के डायरेक्टर से भी बात चल रही है।

सरकार 4 मेरे सारे पाप धो देगी

पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' के तीन पार्ट आ चुके हैं, जिसमें अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और मनोज बाजपेयी जैसे कलाकार नजर आ चुके हैं। अब फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने इस फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया है।

फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी पॉपुलर पॉलिटिकल-क्राइम फिल्म सीरीज 'सरकार' की अगली फिल्म 'सरकार 4' का ऐलान कर दिया है। निर्देशक ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। उन्होंने कहा, 'मैं 'सरकार 4' बना रहा हूं। इसकी शूटिंग मैं अगले महीने से शुरू करने वाला हूं।' उन्होंने अपने एक और प्रोजेक्ट 'द सिंडिकेट' के बारे में भी बात की। इस पर मजाक करते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा कि यह फिल्म मेरे सारे पाप धो देगी। राम गोपाल वर्मा ने यह जानकारी रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल के उद्घाटन के दौरान दी। 'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे। अब 'सरकार 4' की घोषणा के बाद फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे ऋतिक रोशन

ऋतिक रोशन ने आज आगामी फिल्म 'मेस' की जानकारी देते हुए एक खास तस्वीर सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की है। इस तस्वीर में उनके साथ उनके चचेरे भाई ईशान रोशन भी नजर आ रहे हैं। जानिए किस पर आधारित है फिल्म 'मेस'।
फिल्म की कहानी कुछ चोरों की है, जो एक ऐसे व्यक्ति के घर में चोरी करने जाते हैं, जो ओसीडी से ग्रसित होता है। जैसे-जैसे रात बीतती है, चोरों को पता चलता है कि घर की हालत वैसी नहीं है जैसी उन्होंने सोची थी। अब शायद उन्हें ही मुश्किल में पड़ना पड़ेगा और रात भर जीवित बचना होगा। यह एक मजेदार और हल्की-फुल्की कॉमेडी होगी। ऋतिक रोशन 'मेस' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।
फिल्म में ऋतिक के अलावा और कौन-कौन से कलाकार होंगे इसकी जानकारी जल्द आएंगी। इसके अलावा इसकी रिलीज डेट की तारीख भी जल्द ही सामने आएगी।

भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते

अभिनेता और स्टैंड अप कॉमेडियन वीर दास अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में ऑस्कर में अवॉर्ड फंक्शन के दौरान होस्ट कॉनन ओ ब्रायन द्वारा कई स्टार्स को रोस्ट करने किया गया। इसे देखने के बाद वीर दास का कहना है कि भारत में ऐसा नहीं किया जा सकता है। भारत में किसी अवॉर्ड फंक्शन के दौरान भी किसी भारतीय स्टार को रोस्ट नहीं कर सकते।

इसलिए कॉमेडियन को चुना जाता है होस्ट

वीर दास भारत में कुछ अवॉर्ड समारोहों को होस्ट कर चुके हैं। इसके अलावा वह 52वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स को भी होस्ट कर चुके हैं। लेकिन वीर दास का मानना है कि भारत में रोस्टिंग स्टाइल में होस्टिंग नहीं की जा सकती। अपने एक्स अकाउंट पर इस बारे में लिखते हुए वीर दास ने कहा, 'भारत में गेर्विस या कॉनन की तरह किसी बड़े फिल्म पुरस्कार समारोह की मेजबानी क्यों नहीं की जाती? दरअसल, मैंने पांच साल तक कई भारतीय पुरस्कारों के लिए स्क्रिप्ट लिखी है। इसका कारण यह है: ऑस्कर या फिल्म अवॉर्ड्स की किसी कॉमेडियन द्वारा मेजबानी किए जाने का मकसद यह है कि एक रात के लिए, एक मसखरा दुनिया के सबसे खूबसूरत चुने हुए लोगों को मानवीय रूप दे सके। क्योंकि उन्हें पहले से ही सम्मानित किया जा रहा होता है। ऐसे में कोई भी मजाक जोरदार हो जाता है।'

बुरा मान जाते हैं भारतीय सितारे

हालांकि, वीर दास ने आगे बताया कि भारत में ऐसा क्यों नहीं हो सकता? उन्होंने आगे कहा, 'यहां, सितारों का अहंकार अपने स्तर से नीचे के किसी भी व्यक्ति के मजाक को बर्दाश्त नहीं करता। विडंबना यह है कि जितना बड़ा स्टार होस्ट करता है, मामला उतना ही पेचीदा हो जाता है। क्योंकि उस स्तर पर तो सिर्फ तीन ही लोग होते हैं। इसलिए एक बड़े स्टार का होस्ट करना वहां मौजूद लोगों के लिए तो ठीक रहता है, लेकिन देखने वालों के लिए हमेशा मजेदार नहीं होता। ऐसा इसलिए क्योंकि सत्ता का संतुलन बिगड़ जाता है।'

98वें ऑस्कर में कॉनन ओ ब्रायन ने किया रोस्ट

कॉनन ओ'ब्रायन ने लगातार दूसरे साल ऑस्कर की मेजबानी की। शो के दौरान उन्होंने पिछले कुछ महीनों से सामाजिक-सांस्कृतिक चर्चाओं में छाए कई मुद्दों पर बात की। इनमें ईरान, इस्राइल और अमेरिका के बीच मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष से लेकर एआई एआई के बढ़ते खतरे तक शामिल हैं। उन्होंने टिमोथी चालमेट की ओपेरा और बैले पर की गई टिप्पणियों पर भी तंज कसा, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थीं।

'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे वीर

वर्कफ्रंट की बात करें तो वीर दास को आखिरी बार 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में देखा गया था। इससे उन्होंने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा। इस फिल्म में मोना सिंह भी हैं, साथ ही आमिर खान और इमरान खान की विशेष भूमिकाएं भी हैं। आमिर खान प्रोडक्शन हाउस द्वारा निर्मित यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com